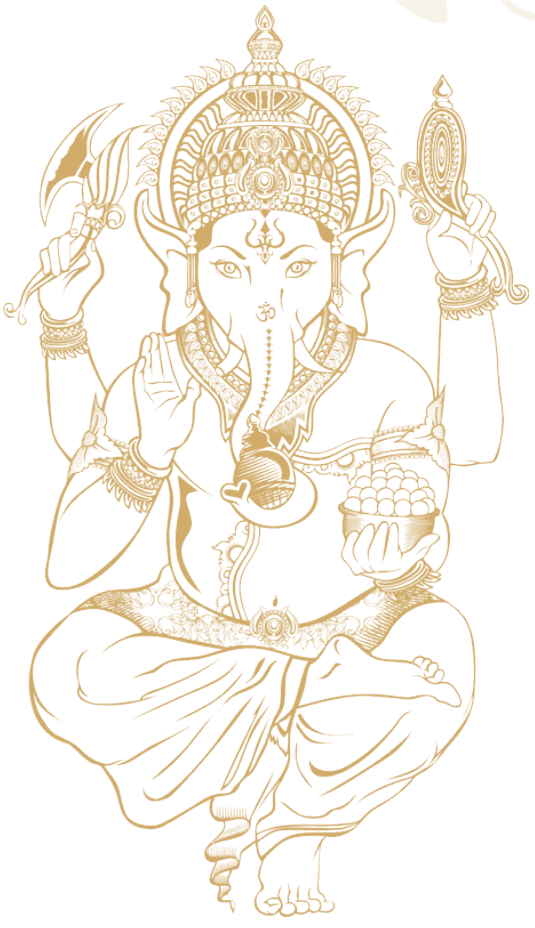

Udit arya

Mansi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121380804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26-27/02/1998	जन्म तिथि	26/07/1998
गुरु-शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 05:30:00	जन्म समय	07:15:00 घंटे
घटी 56:39:21	जन्म समय(घटी)	04:04:52 घटी
India	देश	India
Shamli	स्थान	Saharanpur
29:27:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:50:15	सूर्योदय	05:35:02
18:18:21	सूर्यास्त	19:17:07
23:49:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 2वर्ष 5मा 13दि		17:27:12	मक	लग्न	कर्क	29:19:36	केतु 2वर्ष 4मा 2दि	
शनि		14:21:22	कुंभ	सूर्य	कर्क	09:03:51	सूर्य	
11/08/2016		18:10:55	कुंभ	चंद्र	सिंह	08:52:42	26/11/2020	
12/08/2035		01:45:25	मीन	मंगल	मिथु	19:21:10	27/11/2026	
शनि	15/08/2019	18:22:24	कुंभ	बुध	सिंह	03:23:50	सूर्य	16/03/2021
बुध	24/04/2022	11:34:38	कुंभ	गुरु व	मीन	04:07:10	चन्द्र	14/09/2021
केतु	03/06/2023	02:13:18	मक	शुक्र	मिथु	13:55:35	मंगल	20/01/2022
शुक्र	03/08/2026	24:02:48	मीन	शनि	मेष	09:25:20	राहु	15/12/2022
सूर्य	16/07/2027	16:42:03	सिंह	राहु	सिंह	07:46:05	गुरु	03/10/2023
चन्द्र	13/02/2029	16:42:03	कुंभ	केतु	कुंभ	07:46:05	शनि	14/09/2024
मंगल	25/03/2030	16:31:49	मक	हर्ष व	मक	17:15:30	बुध	21/07/2025
राहु	29/01/2033	07:11:20	मक	नेप व	मक	06:52:36	केतु	26/11/2025
गुरु	12/08/2035	14:11:24	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:34:55	शुक्र	27/11/2026

लग्न-चलित

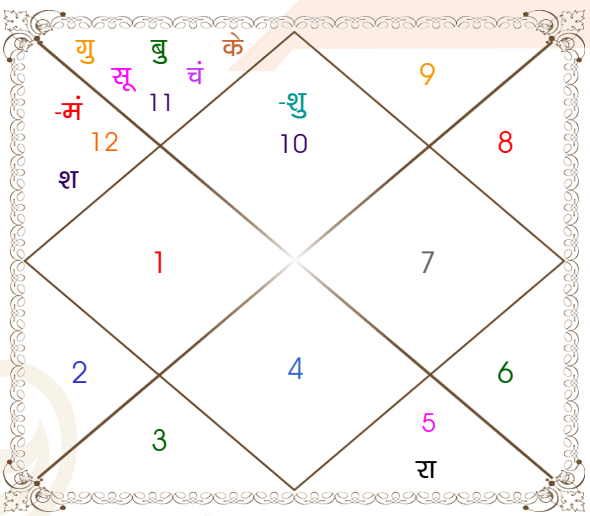

लग्न-चलित

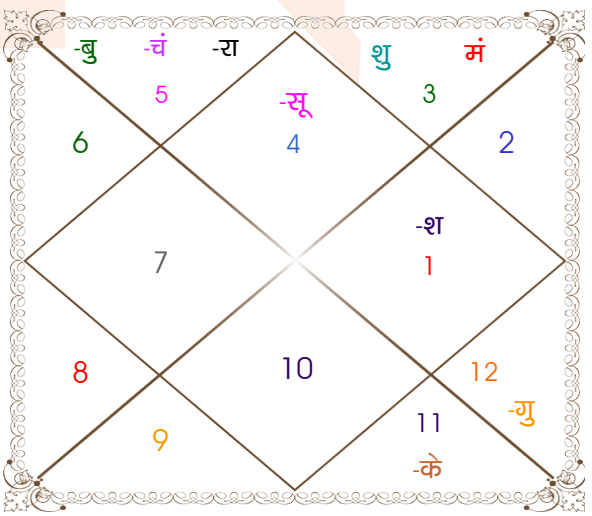

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Udit arya का वर्ग मेष है तथा Mansi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Udit arya और Mansi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Udit arya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mansi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mansi कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Udit arya कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Udit arya तथा Mansi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।